PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 077
दि. 16.07.2026,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

विश्व युवा कौशल दिवस 2026: सीएम योगी ने 11 होनहारों का किया सम्मान, मंच से युवाओं ने सुनाई 'संघर्ष से सफलता' की कहानी

(जीएनएस)।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार प्रभावी पहल कर रही है। इसी क्रम में विश्व युवा कौशल दिवस-2026 के अवसर पर लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ने कौशल विकास मिशन एवं आईटीआई से प्रशिक्षण प्राप्त 11 युवाओं को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री के हाथों सम्मान पाकर युवाओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। कुछ युवाओं ने मुख्यमंत्री के सामने अपने संघर्ष, सफलता और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणादायक कहानियां भी साझा कीं।

बरेली की राजरानी ने सुनाई संघर्ष से सफलता की कहानी

राजरानी ने बताया कि उनके पिता का निधन हो चुका है और उनकी मां कैंसर से पीड़ित हैं। आज अपनी कमाई से वह मां का इलाज कराने के साथ पूरे परिवार की जिम्मेदारी भी निभा रही हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तहत प्रशिक्षण प्राप्त किया है, जिसके बाद उन्हें हरियाणा में नौकरी मिली। वर्तमान समय में 27 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन मिल रहा है। उन्होंने युवतियों से यूपी की सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील भी की।

उन्नाव के कृष्ण कुमार साहू ने बताया कि उन्होंने आईटीआई से प्रशिक्षण प्राप्त किया और आज वह एनसीएल (कोल इंडिया का उपक्रम) में लगभग एक लाख रुपये प्रतिमाह वेतन पर कार्यरत हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पहले उनके क्षेत्र से आईटीआई की दूरी लगभग 35 किलोमीटर थी, लेकिन अब स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण केंद्र खुलने से ग्रामीण युवाओं को काफी सुविधा मिली है।

स्वरोजगार की मिसाल बनीं भावना दुबे

चंदौली की भावना दुबे ने बताया कि उन्होंने आईटीआई से फैशन डिजाइनिंग का प्रशिक्षण लिया। उन्हें खुशी है कि मुख्यमंत्री के सामने अपने अनुभव साझा करने का अवसर मिला। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आईटीआई के माध्यम से अनेक बेटियां आत्मनिर्भर बन रही हैं। वर्तमान में उन्हें स्वरोजगार के माध्यम से 70 हजार रुपये प्रतिमाह से अधिक आय हो रही है।

हेल्थकेयर स्टार्टअप से रोजगार दे रहे ज्ञान प्रकाश

ज्ञान प्रकाश वर्मा ने बताया कि उन्होंने आईटीआई से प्रेरणा लेकर हेल्थकेयर स्टार्टअप की शुरूआत लखनऊ से की। महिला सशक्तीकरण और महिलाओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उनकी कंपनी ने एआई तकनीक आधारित समाधान विकसित किए हैं। उनके स्टार्टअप ने कई युवाओं को रोजगार भी उपलब्ध कराया है।

शुभ्रा मिश्रा बनीं महिला उद्यमिता की मिसाल

फर्रुखाबाद की शुभ्रा मिश्रा ने बताया कि आईटीआई से प्रशिक्षण लेने

के बाद उन्होंने एडवांस लेवल का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया और अब अपना काम कर रही हैं। योगी सरकार की योजनाओं से उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। वर्तमान में उनकी मासिक आय लगभग पांच लाख रुपये है तथा वह अपने संस्थान में कार्यरत कर्मचारियों को करीब 70 हजार रुपये प्रतिमाह तक वेतन भी देती हैं।

मुख्यमंत्री से सम्मान पाकर भावुक हुए युवा

मुख्यमंत्री ने जिन 11 युवाओं को सम्मानित किया, उनमें शीतल कुमारी, नेहा, फरदीन खान, मोहम्मद बिलाल, राजरानी, वर्तिका गुप्ता, अर्जुन पाल, संगीता वर्मा, शिवांग वर्मा, राजीव विश्वकर्मा और विनीता शामिल रहे। अयोध्या की शीतल कुमारी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों सम्मान प्राप्त करना उनके जीवन का सबसे यादगार क्षण है। उन्होंने कौशल योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त किया था। आज मेदांता में कार्यरत हैं और उन्हें 23 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन मिल रहा है।

सरकार की योजनाओं ने आत्मनिर्भर बनने का असवर दिया

गौतमबुद्ध नगर की संगीता वर्मा ने बताया कि उन्होंने नोएडा से आईटीआई का प्रशिक्षण लिया और आज अपना स्वयं का व्यवसाय संचालित कर रही हैं। सरकार की योजनाओं ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया। लखनऊ की वर्तिका गुप्ता ने बताया कि उन्होंने अलीगंज स्थित आईटीओटी रिसर्च सेंटर से कॉस्मेटोलॉजी ट्रेड में प्रशिक्षण लिया और ऑल इंडिया रैंक भी हासिल की। शिक्षकों के मार्गदर्शन और सरकार के सहयोग से उन्हें आगे बढ़ने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया जाना उनके लिए गर्व का विषय है।

मुख्यमंत्री से मिलने का सपना पूरा हुआ

हमीरपुर जिले की नेहा ने बताया कि वर्तमान समय में उन्हें 22,800 रुपये प्रतिमाह मिल रहा है। सामान्य परिवार से आने वाली नेहा ने कहा कि आज वह अपने परिवार की आर्थिक सहायता कर पा रही हैं। उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि मुख्यमंत्री जी से मिलने का मौका मिलेगा। लेकिन मेरा सपना आज पूरा हो गया है।

'न दिल्ली, न गोरखपुर से... मेरे साथ एक आदमी नहीं आया था', क्यों बोले : सीएम योगी

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि नौ वर्ष के अंदर उत्तर प्रदेश में शासन-सत्ता का संचालन करने का अवसर हमारी पार्टी ने दिया, इसके परिणाम को देखता हूं. उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि मेरे साथ दिल्ली से या गोरखपुर से कोई टीम अलग से आई हो. दिल्ली में सांसद था, जब मुझे यहां भेजा गया.

सीएम योगी ने कहा कि मेरे साथ एक भी व्यक्ति दिल्ली से नहीं आया. गोरखपुर से लगातार पांच बार से सांसद था, वहां से भी एक भी व्यक्ति मेरे साथ नहीं आया. उन्होंने कहा कि जो लोग लखनऊ में मौजूद थे और जो टीम मुझे मिली, मैंने उसी को लेकर के उनकी मानसिकता को बदलने का प्रयास करने का काम किया. सीएम योगी ने कहा कि जो परिणाम सामने आए हैं, वे सब आपके सामने हैं.

उन्होंने कहा कि जो घोषणा आपके सामने अभी करने जा रहा हूं, अगर यह बात आज से नौ वर्ष पहले बोलता या सवा नौ वर्ष पहले जो यूपी के सीएम थे।

यूपी के लिए ऐसी घोषणा करते तो उस समय लोग हंस देते. सीएम योगी ने कहा कि नौ वर्ष में हम लोगों ने यूपी को पहचान के संकट से उबारा है. उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को तीन गुना करने में सफलता प्राप्त की है.

सीएम योगी ने प्रति व्यक्ति आय को तीन गुना करने, महिला वर्कफोर्स में तीन गुना इजाफा, बॉटम थ्री से टॉप थ्री में यूपी की इकोनॉमी पहुंचाने को अपनी सरकार की उपलब्धि बताया. उन्होंने कहा कि ऐसे कौन से कारण थे, जो यूपी में नहीं हो सकता था. लेकिन डबल इंजन सरकार आने के बाद धरातल पर काम दिखाई दिया. सीएम योगी ने कहा कि 2014 के पहले भी यूपी में एक प्रकार की डबल इंजन सरकार थी. यूपी में सपा और केंद्र में यूपीए सरकार थी.

ईरान के जिस पोर्ट पर भारत का इन्वेस्टमेंट, वहां अमेरिका ने किया हमला, 30 मरे- 260 घायल

(एजेंसी)।

अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग अब काफी खतरनाक मोड़ पर आ चुकी है। बुधवार को अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपने हमले और तेज कर दिए जिसमें दक्षिण-पूर्वी पोर्ट सिटी चाबहार पर ताबड़तोड़ बमबारी की। इस दौरान वहां के स्ट्रैटेजिक शाहिद कलंतरी पोर्ट पर बने एक वॉचटावर को निशाना बनाया गया, जिससे आसमान में धुएं का भारी गुबार छा गया। ईरानी स्टेट मीडिया के मुताबिक, ओमान की खाड़ी के पास सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में स्थित यह वॉचटावर अमेरिकी हमलों की ताजा लहर का मुख्य टारगेट था।

इसी पोर्ट पर भारत का बड़ा इन्वेस्टमेंट

यह दूसरी बार है जब अमेरिका ने इस वॉचटावर पर मिसाइल दागी है। आपको बता दें कि यह एक सिविलियन फैसिलिटी है, जिसका इस्तेमाल समुद्री सुरक्षा और मछुआरों के सर्च-एंड-रेस्क्यू ऑपरेशंस के लिए किया जाता था। इस हमले में अब तक 30 लोगों की मौत और 260 लोगों के घायल होने की खबर है। ये वही चाबहार पोर्ट है जिस पर भारत का काफी सारा इन्वेस्टमेंट है। साथ ही यहां पर भारत का ड्रीम प्रोजेक्ट भी चल रहा है।

पल-पल बढ़ रही जंग

इस जंग का स्केल अब लगातार बड़ा होता जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, पूरे सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में भारी स्ट्राइक्स की गई हैं। ईरान के हेल्थ मिनिस्ट्री ने जानकारी दी है कि रातभर हुए इन हमलों में 260 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। वाशिंगटन और तेहरान के बीच यह एक बहुत बड़ा एस्केलेशन है।

बुशहर और बामपुर भी दहल उठे

अमेरिका ने सिर्फ चाबहार ही नहीं, बल्कि ईरान के अन्य शहरों को भी निशाना बनाया है। बुशहर के गवर्नर मोहम्मद मुजाफारी ने बताया कि मंगलवार को इस पश्चिमी पोर्ट सिटी में चार अलग-अलग जगहों पर अमेरिकी सेना ने हमले किए। ईरान की ऑफिशियल क्म्ह्ठअ न्यूज एजेंसी के मुताबिक, राहत की बात यह रही कि बुशहर में कोई हताहत नहीं हुआ और रेस्क्यू एजेंसियां फिलहाल अलर्ट पर हैं। दूसरी तरफ, ईरान की आर्मी ने अमेरिका पर सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा कि बुधवार तड़के बामपुर में एक मिलिट्री बैरक पर 13 मिसाइलें दागी गईं।

नोएडा के ममूरा में लगी भीषण आग, 100 से ज्यादा लोगों का रेस्क्यू-2 की मौत की खबर

(एजेंसी)।

नोएडा के ममूरा में बुधवार (15 जुलाई) दोपहर 5 मंजिला बिल्डिंग को भीषण आग ने अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप लेती रही। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल की 7 गाड़ियां मौके पर पहुंची। लेकिन घटनास्थल सकरी गली में होने की वजह से आग पर काबू पाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोग मददगार बनकर मौके पर उतरे हैं। कड़ी मशक्कत के बाद लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। पुलिस के मुताबिक, घटना में 100 से ज्यादा लोगों का रेस्क्यू कर लिया गया है। दो लोग बीमार पड़ गए और उन्हें इलाज के लिए एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। उनकी सेहत के बारे में अभी जानकारी का इंतजार है। मीडिया की खबरों के मुताबिक, 2 की मौत की खबर है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने हर संभव मदद के निर्देश दिए। आग कैसे लगी? क्या है वजह? आइए जानते हैं...

दरअसल, मामला नोएडा के सेक्टर-66 स्थित ममूरा गांव (फेज-3 पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में) का है। यहां की एक रिहायशी बिल्डिंग की पहली मंजिल पर आग लग गई। चार्जिंग के लिए प्लग-इन किए गए एक इलेक्ट्रिक स्कूटर (EV) में स्पार्किंग हुई, जिससे गाड़ी में आग लग गई और फिर पास खड़ी कई अन्य गाड़ियों में भी आग फैल गई। आग से निकला धुआं बिल्डिंग की ऊपरी मंजिलों तक पहुंच गया और लोगों के घरों में घुस गया। सूचना मिलने पर पुलिस टीमें, फायर सर्विस रेस्क्यू टीमें और फायर टेंडर मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया।

लखनऊ : सीबीआई ने घूसखोरी के आरोप में बैंक मैनेजर और क्रेडिट अधिकारी को किया गिरफ्तार, 35 हजार लेते पकड़ा

(एजेंसी)।

लखनऊ। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआइ) ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत आवेदनकर्ता से 35 हजार रुपये की घूस लेने के आरोप में बैंक आफ बडौदा की सुलतानपुर की कोइरीपुर शाखा के मैनेजर स्वर्णिम श्रीवास्तव व क्रेडिट अधिकारी पुष्पक चौधरी को गिरफ्तार किया है।

आरोपित अधिकारियों ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत स्वीकृत पांच लाख रुपये के ऋण की ओवरड्राफ्ट राशि जारी करने के एवज में 45 हजार रुपये की घूस मांगी थी।

घूस लेते रंगे हाथों पकड़ा

सीबीआइ के अनुसार आवेदनकर्ता ने मामले की शिकायत सोमवार को की थी। इसके बाद सीबीआइ ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। साथ ही पिछले मंगलवार को सीबीआइ की टीम ने ट्रैप लगाकर बैंक मैनेजर के कहने पर क्रेडिट अधिकारी को मौके से 35 हजार रुपये की घूस लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

क्रेडिट अधिकारी के बयान के आधार पर सीबीआइ की टीम ने बैंक मैनेजर को भी गिरफ्तार किया है। सीबीआइ के अनुसार, शिकायतकर्ता को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत पांच लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ था। टर्म लोन की राशि जारी कर दी गई थी, लेकिन ओवरड्राफ्ट (ओडी) सुविधा की राशि जारी करने के लिए शाखा प्रबंधक और क्रेडिट अधिकारी ने 45 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी।

एमसीडी-एनडीडीबी के बीच एमओयू साइन, यमुना नहीं होगी प्रदूषित, टनों गोबर से रोज बनेगी कंप्रेस्ड बायो गैस और ऑर्गेनिक खाद

(एजेंसी)।

दिल्ली में कंप्रेस्ड बायो गैस (CBG)प्रोजेक्ट के लिए दिल्ली नगर निगम (MCD) और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) के बीच समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर हुआ। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में इस MoU पर हस्ताक्षर किए गए। इससे इस योजना के जरिए हर दिन बेकार हो रहे 1,500 मीट्रिक टन गोबर को कंप्रेस्ड बायो गैस (CBG) और जैविक खाद में परिवर्तित किया जाएगा।

दिल्ली सरकार के अनुसार प्रतिदिन लगभग 1,500 मीट्रिक टन गोबर यमुना में प्रवाहित होता है जिससे यमुना तो प्रदूषित होती ही है इसके अलावा ये इतनी बड़ी मात्रा में गोबर नदी में जाकर बेकार हो जाता है। इस योजना से जहां एक ओर जीवनदायिनी दिल्ली की

यमुना नदी के स्वच्छता अभियान को मजबूती मिलेगी इसके अलावा राजधानी की गौशालाओं और पशुपालकों की अतिरिक्त कमाई का मौका मिलेगा।

इस मौके पर मौजूद दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में प्रतिदिन 1,500 मीट्रिक टन गोबर यमुना में जाता था। हमारी सरकार ने इसे शून्य पर लाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इससे दिल्ली सरकार का यमुना नदी के लिए चलाया जा रहा स्वच्छता अभियान सफल होगा और दूसरे ओर गोबर स्वच्छ ऊर्जा और जैविक खाद में परिवर्तित होगा।

इंडियंस के लिए थाईलैंड का बड़ा फैसला, 30 दिनों तक बिना वीजा घूम सकेंगे बस एक शर्त पर

भारतीय पर्यटकों के लिए थाईलैंड सरकार ने एक बार फिर बड़ा यू-टर्न लिया है। पिछले दिनों बैन की खबरों

के बाद अब पर्यटकों के लिए Thailand VISA Free एंट्री को फिर से हरी झंडी दे दी गई है। दरअसल, अवैध रूप से व्यापार करने वालों पर नकेल कसने के लिए थाईलैंड ने भारतीयों की नो वीजा एंट्री को रोकने का प्रस्ताव तैयार किया था, जिससे पर्यटन बाजार में भारी कन्फ्यूजन फैल गया। लेकिन सैलानियों की संख्या में आई भारी गिरावट और राजस्व के नुकसान को देखते हुए सरकार को घुटने टेकने पड़े हैं।

लखनऊ में बनेगा देश का पहला अर्बन नाइट सफारी, कुकरैल प्रोजेक्ट में ₹1500 करोड़ खर्च, क्या-क्या होगा खास?

(एजेंसी)।

एक लंबे इंतजार और कानूनी लड़ाई के बाद लखनऊवासियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। देश का पहला अर्बन नाइट सफारी बनने का रास्ता साफ हो गया है। बुधवार (15 जुलाई) को सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार की कुकरैल रिजर्व फॉरेस्ट में महत्वाकांक्षी नाइट सफारी और जूलॉजिकल पार्क प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने की मंजूरी दे दी।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच ने इस आपत्ति को खारिज कर दिया कि पूरे रिजर्व फॉरेस्ट एरिया में गड़बड़ी होगी। उन्होंने कहा कि क्या यह देश रुका रहेगा? चिड़ियाघर अब पुराने हो गए हैं। इन सब चीजों को देखने के लिए एक्सपर्ट्स हैं। जांच के बाद और शर्तें तय करके और उनका पालन करते हुए, एक्सपर्ट्स की मदद से सभी जरूरी सावधानियां बरती जा सकती हैं। जजों की बेंच ने प्रोजेक्ट को शर्तों के साथ हरी झंडी दी।

बेंच, जिसमें जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना भी शामिल थे, ने केंद्र की सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी (CEC), सेंट्रल जू अथॉरिटी (CZA) और पर्यावरण मंत्रालय (MoEFCC) द्वारा लगाई गई शर्तों का सख्ती से पालन करने को कहा। साथ ही प्रोजेक्ट के लिए केंद्र से जरूरी मंजूरी भी ले।

बेंच ने इस बात पर भी ध्यान दिया कि CEC ने कुकरैल नाइट सफारी प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी है। बेंच ने उएउ से कहा कि वह साइट का दौरा करके देखे कि क्या अधिकारी शर्तों का पालन कर रहे हैं और तीन महीने बाद रिपोर्ट दाखिल करे।

CJI ने कुछ याचिकाकर्ताओं को प्रोजेक्ट के बारे में उएउ को अपने सुझाव देने की इजाजत दी। दो चरणों में बंटा यह बड़ा प्रोजेक्ट भारत का पहला अर्बन नाइट सफारी प्रोजेक्ट है, जो 5,000 हेक्टेयर में फैले कुकरैल रिजर्व फॉरेस्ट में बनेगा और इस पर लगभग 1,500 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। मंजूरी देते समय, उएउ ने लखनऊ चिड़ियाघर (72 एकड़ में फैला) को कुकरैल में शिफ्ट करने के सरकार के प्रस्ताव को खारिज कर दिया।

यूपी के युवाओं को योगी सरकार का बड़ा तोहफा, अब हर जिले में बनेगा स्किल-इंडस्ट्रियल जोन; ऑन डिमांड मिलेगी ट्रेनिंग

(एजेंसी)।

लखनऊ। विश्व युवा कौशल दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पास दुनिया की सबसे बड़ी युवा कार्यशक्ति है और इसे अवसर देकर प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत बनाया जा रहा है।

हर जिले में एमएसएमई, कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा और श्रम एवं सेवायोजन विभाग के समन्वय से स्किल-इंडस्ट्रियल जोन विकसित किए जाएंगे। यहां उद्योगों की जरूरत के अनुसार युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। विदेशों में रोजगार की मांग को देखते हुए युवाओं को जापानी जैसी विदेशी भाषाओं का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कौशल विकास को नई पहचान दी। प्रदेश में आइटीआइ और अन्य प्रशिक्षण संस्थानों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) सहित नई तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। रोजगार मेलों और कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से युवाओं को

नौकरियां मिल रही हैं।

क्या है सरकार का लक्ष्य

सरकार का लक्ष्य युवाओं को केवल नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाना है। योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में शिक्षा, रोजगार और कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब थी, जबकि आज बिना किसी सिफारिश के नौ लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सवा तीन करोड़ से अधिक कारीगर और युवा स्वरोजगार से जुड़े हैं।

मुरादाबाद का पीतल, फिरोजाबाद का कांच, भदोही की कालीन और लखनऊ की चिकनकारी जैसे पारंपरिक उद्योगों को नई मजबूती मिली है। उन्होंने ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण इकाई का उल्लेख करते हुए कहा कि रक्षा मंत्रालय को 200 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई गई, जिससे प्रदेश के 500 युवाओं को रोजगार मिला और राज्य को जीएसटी के रूप में आय भी प्राप्त हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जितना अधिक युवा कौशलयुक्त होंगे, उतनी तेजी से प्रदेश और देश की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ेगी। उन्होंने युवाओं से निराश न होने और कौशल के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने 21 युवाओं को सम्मानित किया।

पीएम मोदी ने शेयर किया 'भारत टेक्स 2026' पर लेख, टेक्सटाइल सेक्टर के लिए 'विजन 2030' का बताया रोडमैप

(एजेंसी)।

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को केंद्रीय राज्य मंत्री पवित्रा मार्गेरिटा (@PmargheritaBJP) द्वारा लिखे गए एक लेख को शेयर किया। इस लेख में 'भारत टेक्स 2026' (Bharat Tex 2026) को भारत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री की व्यापक क्षमता और भविष्य की दिशा के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स (X) पर पोस्ट करते हुए लिखाः

ह्लकेंद्रीय राज्य मंत्री @PmargheritaBJP लिखते हैं कि @Bharat_tex 2026 भारत की पूरी टेक्सटाइल वैल्यू चेन को एक ही छत के नीचे लाता है, जो देश की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता, समृद्ध टेक्सटाइल विरासत और बढ़ती वैश्विक उपस्थिति को दर्शाता है। यह टेक्सटाइल सेक्टर के लिए भारत के 'विजन 2030' रोडमैप को भी दर्शाता है।'

'भारत टेक्स 2026' की खासियतें

लेख के अनुसार, भारत टेक्स 2026 देश की संपूर्ण टेक्सटाइल वैल्यू चेन को एक प्लेटफॉर्म पर लाकर रखता है। इसमें शामिल हैंः

– विनिर्माण क्षमता

– प्राचीन और समृद्ध टेक्सटाइल विरासत

– बढ़ती वैश्विक मांग में भारत की मजबूत भागीदारी

शेयर किए गए लेख में बताया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के '5F विजन' – फार्म (खेत) से फाइबर (रेशा), फैक्टरी, फैशन और फॉरेन (विदेश) तक – से प्रेरित होकर, 'भारत टेक्स 2026' टेक्सटाइल वैल्यू चेन में बिजनेस, इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन, पॉलिसी पर बातचीत और रणनीतिक साझेदारी के लिए एक प्रमुख ग्लोबल प्लेटफॉर्म बन गया है। यह आयोजन प्रधानमंत्री मोदी के 'विजन 2030' को भी मजबूती प्रदान करता है, जिसका लक्ष्य भारतीय टेक्सटाइल उद्योग को विश्व स्तर पर और अधिक प्रतिस्पर्धी, टिकाऊ और अग्रणी बनाना है।

बता दें, पीएम मोदी ने इस लेख को NaMo ऐप के माध्यम से भी शेयर किया। यह पहल भारत को ग्लोबल टेक्सटाइल हब बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, जो 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत अभियान से जुड़ी हुई है।

सेक्युलर थे तो मस्जिद में हनुमान चालीसा भी पढ़वा देते: सीएम योगी

(एजेंसी)।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर मुस्लिम समुदाय के तुष्टिकरण का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि अयोध्या के हनुमानगढ़ी मंदिर की सीढ़ियों पर नमाज पढ़ाने का काम किया गया था तो किसी मस्जिद में हनुमान चालीसा का पाठ भी करा देते.

उत्तर प्रदेश में 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं. लेकिन चुनाव से पहले ही पार्टियों और नेताओं ने फ्रंट पर आकर खेलना शुरू कर दिया है. राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा बयान दिया है.

उन्होंने सपा और बाकी विपक्ष पर मुस्लिम समुदाय के तुष्टिकरण का आरोप लगाया है. उन्होंने विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि अयोध्या के हनुमानगढ़ी मंदिर की सीढ़ियों पर नमाज पढ़ाने का काम किया गया था तो किसी मस्जिद में भी हनुमान चालीसा का पाठ करवा देते.

पिछली सरकारों पर निशाना

पंचायत आजतक में बोलते हुए सीएम योगी विपक्षी दलों पर हमलावर रहे. उन्होंने पिछली सरकारों की सेक्युलर छवि पर सवाल उठाए. सीएम योगी ने कहा कि पहले यूपी में पर्व-त्योहारों के समय पथराव हो जाया करता था. उन्होंने कहा कि पहले जब-तब कर्फ्यू लग जाया करता था, लेकिन अब ऐसा नहीं है. मुख्यमंत्री ने कहा,

लखनऊः शहर के अंदर बनेंगे दो नए ट्रांसपोर्ट नगर, गोसाईगंज और एक्सप्रेसवे के पास जगह हुई तय; जानिए डिटेल

(एजेंसी)।

लखनऊ , एलडीए शहर में दो नए ट्रांसपोर्ट नगर बनाएगा। इसके लिए जगह चिन्हित कर ली गई है। एक आगरा एक्सप्रेस-वे पास वरुण नगर योजना में और दूसरा गोसाईगंज में बनाया जाएगा। यह योजना स्टेट कैपिटल रीजन (एससीआर) के तहत बनाई गई है। इनके बनने से शहर के अंदर भारी वाहनों का आवगमन बंद हो जाएगा। जिससे ट्रैफिक जाम की समस्या भी दूर होगी क्योंकि अभी कानपुर रोड पर जो ट्रांसपोर्ट नगर है वह शहर के अंदर आ गया है। नए ट्रासपोर्ट नगर बनाने पर करीब 650 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

एससीआर में जो नए ट्रांसपोर्ट नगर बनाने की योजना के तहत अभी शहर में रोजाना एनएच -27, एनएच-731, पुरवांचल एक्सप्रेसवे और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर करीब

200 भारी वाहनों का आवागमन होता है। इससे शहर के अंदर जाम और प्रदूषण बढ़ता है। स्टेट कैपिटल रीजन (एससीआर) की जो योजना इस समस्या को दूर करने के लिए बनाई गई है उसमें नेशनल हाईवे के किनारे आठ से 10 हेक्टेयर के 12 ट्रक होल्डिंग एरिया / ट्रक पार्किंग बनाई जाएं। हर टर्मिनल में 500 ट्रक पार्किंग और माल लोडिंग और अन लोडिंग की क्षमता हो। शहर को लॉजिस्टिक हब बनाने के लिए इस तरह के आधुनिक ट्रांसपोर्ट नगर जरूरी हैं। इससे पूर्वांचल और बुंदेलखंड से आने वाले माल की लोडिंग-अनलोडिंग भी आसान हो जाएगी। इनके लिए 80 हेक्टेयर जमीन भी चिन्हित कर ली गई है। दोनों 40-40 हेक्टेयर में बनाए जाएंगे। इसके अलावा एससीआर में शाहाबाद और बंथरा के पास भी होल्डिंग एरिया बनाने का प्रस्ताव है।

कहां-कहां बनेंगे यह ट्रांसपोर्ट नगर

वरुण विहार में एनएच-731 और पुरवांचल हाईवे के पास, अनूपगंज रेलवे स्टेशन के नजदीक

गोसाईगंज में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे और आउटर रिंग रोड के किनारे।

यूपी टी-20 लीगः लखनऊ फाल्कंस ने भुवी, प्रियम समेत 11 खिलाड़ियों को किया रिटेन

लखनऊ फाल्कंस ने यूपी टी-20 लीग के चौथे सीजन के लिए कप्तान भुवनेश्वर कुमार सहित 11 खिलाड़ियों को रिटेन किया है।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश टी-20 लीग के चौथे सीजन से पहले लखनऊ फाल्कंस ने अपनी कोर टीम को बरकरार रखते हुए 11 खिलाड़ियों को रिटेन किया है।

फ्रेंचाइजी ने कप्तान भुवनेश्वर कुमार, प्रियम गर्ग, युवा आलराउंडर विप्रज निगम, विकेटकीपर बल्लेबाज आराध्य यादव और उभरते स्पिनर कृतज्ञ सिंह समेत उन क्रिकेटरों पर दोबारा भरोसा जताया है, जिन्होंने पिछले सत्रों में टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन किए थे।

फ्रेंचाइजी का मानना है कि इन खिलाड़ियों के अनुभव और आपसी तालमेल के दम पर टीम इस बार खिताब की मजबूत दावेदार बनेगी। रिटेंशन के बाद अब टीम प्रबंधन की नजर नीलामी पर होगी, जहां बचे हुए स्लाट के लिए ऐसे खिलाड़ियों को शामिल किया जाएगा जो टीम के संतुलन को और मजबूत बना सकें।

युवा खिलाड़ियों को मिल रहे अधिक अवसर

पिछले चार वर्षों में लखनऊ

फाल्कंस ने युवा खिलाड़ियों को निखारने की रणनीति अपनाई है। लखनऊ भले ही अभी तक खिताब नहीं जीत पाई है, लेकिन भुवनेश्वर कुमार के नेतृत्व में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है।

वहीं, आलराउंडर विप्रज निगम ने बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दिया है। आराध्य यादव ने विकेटकीपिंग के साथ मध्यक्रम में उपयोगी पारियां खेलीं, जबकि कृतज्ञ सिंह ने अपनी सटीक स्पिन गेंदबाजी से विपक्षी बल्लेबाजों को परेशान किया।

फ्रेंचाइजी ने जिन 11 खिलाड़ियों को रिटेन किया है, उनमें अनुभव और युवा प्रतिभा का संतुलित मिश्रण देखने को मिलता है। लखनऊ फाल्कंस टीम के निदेशक ऋत्विक सिन्हा मानना है कि एक मजबूत कोर ग्रुप किसी भी टी-20 टीम की सबसे बड़ी ताकत होती है और इसी सोच के साथ रिटेंशन की रणनीति तैयार की गई है।

यूपी टी-20 लीग प्रदेश के युवा क्रिकेटरों के लिए एक बड़ा मंच बनकर उभरी है। इस लीग के जरिए कई खिलाड़ियों को आइपीएल, प्रदेश एवं देश की टीमों में जगह मिली है। ऐसे में पांचवें सीजन को लेकर खिलाड़ियों और क्रिकेट प्रेमियों में काफी उत्साह है।

24 को आगरा में होगी नीलामी

लखनऊ फाल्कंस टीम प्रबंधन के अनुसार, यूपी टी-20 लीग के आगामी सत्र के लिए नीलामी प्रक्रिया 24 जुलाई को आगरा में है। टूर्नामेंट की शुरूआत 15 अगस्त को होगी। इस बार लखनऊ और कानपुर दोनों शहरों में मुकाबले खेले जाएंगे।

22 मैच इकाना में तो 13 ग्रीनपार्क में होंगे। नीलामी में लखनऊ फाल्कंस अपनी जरूरत के अनुसार तेज गेंदबाज, फिनिशर और अन्य उपयोगी खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने की कोशिश करेगी।

लखनऊ में रिटेन किए गए क्रिकेटर

भुवनेश्वर कुमार (कप्तान), आराध्य यादव, कृतज्ञ सिंह, मोहम्मद सैफ, अली जाफिर मोहसिन, विप्रज निगम, अक्षु बाजवा, सत्यम पांडेय, अभिनंदन सिंह, नवनीत कुमार, किशन कुमार सिंह

कहने को कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे, लेकिन एंट्री-एक्जिट कोई नहीं, जाना होगा उन्नाव, 35 मिनट में कैसे पहुंच पाएंगे राजधानी?

(एजेंसी)।

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे से मात्र 35 मिनट में सफर पूरा होने का दावा सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है. लेकिन क्या सचमुच कानपुर के लोग इतनी जल्दी लखनऊ पहुंच पाएंगे? फजलगंज से शुरू हुई हमारी इस ग्राउंड रिपोर्ट में जानिए कि कैसे शहर के भारी ट्रैफिक और उन्नाव से शुरू होने वाले एक्सप्रेसवे के कारण दावों की रफ्तार पर ब्रेक लग रहा है.

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे शुरू होने के बाद से 'सिर्फ 35 मिनट में सफर' का दावा हर तरफ गूंज रहा है. विकास की इस रफ्तार को सुनकर हर कोई उत्साहित है, लेकिन क्या वाकई कानपुर की जनता घर से निकलने के आधे घंटे बाद नवाबों के शहर में होगी? इसी दावे की जमीनी हकीकत और दावों के पीछे के सच को खंगालने के लिए हमारी टीम ने एक स्पेशल ग्राउंड रिपोर्ट तैयार की, जिसमें चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं. आइए जानते हैं कि रफ्तार के इस गलियारे तक पहुंचने में कानपुर वालों को असल में कितनी जद्दोजहद करनी पड़ रही है.

11 बजकर 34 मिनट पर लोकल-18 की टीम ने कानपुर के फजलगंज इलाके से अपना सफर शुरू किया. हमारा मकसद लखनऊ पहुंचना नहीं था, बल्कि यह देखना था कि कानपुर शहर के अंदर से निकलकर आखिर कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे के एंट्री प्वाइंट तक पहुंचने में कितना समय लगता है. हमने ऐसा रास्ता चुना जहां ट्रैफिक सबसे कम था. फजलगंज से निकलने के बाद हमारी गाड़ी नौबस्ता की तरफ बढ़ी और वहां से एक्सप्रेसवे के प्रवेश मार्ग की ओर रवाना हुई. रास्ते में हमें कहीं भी बड़ा जाम नहीं मिला और ट्रैफिक भी सामान्य से कम रहा.

इसके बावजूद एक्सप्रेसवे तक पहुंचने में हमें पूरे 42 मिनट का समय लग गया. 12 बजकर 16 मिनट पर हम उस जगह पहुंचे जहां से कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर वाहनों की एंट्री शुरू होती है. यानी शहर के अंदर से निकलकर सिर्फ एक्सप्रेसवे तक पहुंचने में ही लगभग उतना समय लग गया, जितने समय में लोगों को कानपुर से लखनऊ पहुंचाने का दावा किया जा रहा है.

सफर ऐसे समय में हुआ जब सड़क पर ट्रैफिक अपेक्षाकृत कम था और हमें कहीं भी लंबे जाम का सामना नहीं करना पड़ा. लेकिन अगर कोई व्यक्ति बड़ा चौराहा, घंटाघर, स्वरूप नगर, या शहर के दूसरे व्यस्त इलाकों से निकलता है तो एक्सप्रेसवे तक पहुंचने में 1 घंटे से लेकर 1 घंटा 20 मिनट तक का समय लग सकता है. कानपुर की सड़कों पर रोजाना लगने वाले जाम और व्यस्त चौराहों की स्थिति को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि शहर के अधिकांश लोगों के लिए एक्सप्रेसवे तक 40 मिनट से पहले पहुंचना बेहद मुश्किल है.

कानपुर नहीं, उन्नाव से शुरू होता है एक्सप्रेसवे

इस पूरी कहानी का एक दूसरा पहलू भी है. इसका नाम भले ही कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे रखा गया है, लेकिन इसकी शुरूआत कानपुर शहर की सीमा से नहीं होती है. कानपुर की सीमा जाजमऊ स्थित गंगा पुल तक मानी जाती है. गंगा पुल पार करने के बाद लगभग 5 किलोमीटर आगे बढ़ने पर उन्नाव जिले की सीमा में इस एक्सप्रेसवे की शुरूआत होती है. यानी तकनीकी तौर पर देखा जाए तो एक्सप्रेसवे का शुरूआती हिस्सा कानपुर में नहीं बल्कि उन्नाव में स्थित है. ऐसे में कानपुर के लोगों को पहले शहर के ट्रैफिक से जूझते हुए उन्नाव तक पहुंचना पड़ता है और उसके बाद उन्हें एक्सप्रेसवे की तेज रफ्तार का फायदा मिलता है.

जब तक शहर के ट्रैफिक का हल नहीं, तब तक अधूरा रहेगा फायदा

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे निश्चित रूप से दोनों शहरों के बीच सफर को आसान और तेज बनाने वाला बड़ा प्रोजेक्ट है. लेकिन अगर शहर के अंदर के ट्रैफिक को नियंत्रित नहीं किया गया और कानपुर शहर से एक्सप्रेसवे तक पहुंचने के लिए कोई समर्पित कनेक्टिंग रोड, बाईपास या तेज संपर्क मार्ग तैयार नहीं किया गया, तो कानपुर के लोगों को इसका पूरा लाभ मिलना मुश्किल होगा. फिलहाल जमीनी हकीकत यही कहती है कि एक्सप्रेसवे पर गाड़ी जरूर तेज दौड़ेगी, लेकिन वहां तक पहुंचने की जद्दोजहद ही यात्रियों का सबसे ज्यादा समय खा रही है.

यूपी-112 को और ज्यादा असरदार बनाने की तैयारी, लखनऊ मुख्यालय में नोडल अधिकारियों का 4-दिवसीय विशेष प्रशिक्षण संपन्न

(एजेंसी)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की आपातकालीन सेवा 'यूपी-112' को और अधिक मजबूत, आधुनिक और असरदार बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया गया है। पुलिस महानिदेशक यूपी-112 श्री विनोद कुमार सिंह के निर्देश पर लखनऊ स्थित मुख्यालय में प्रदेश के सभी जिलों के राजपत्रित नोडल अधिकारियों के लिए 4-दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस ट्रेनिंग के दौरान प्रत्येक दिन दो जोन के अधिकारियों को शामिल कर तकनीकी और प्रशासनिक बारीकियों की विस्तृत जानकारी दी गई।

तकनीकी ज्ञान और रिस्पॉन्स टाइम घटाने पर फोकस

इस चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नोडल अधिकारियों के तकनीकी और प्रशासनिक ज्ञान को अपग्रेड करना था, ताकि आपातकालीन स्थिति में पीआरवी (पुलिस रिस्पॉन्स व्हीकल) का रिस्पॉन्स टाइम और कम किया जा सके। अधिकारियों को पीआरवी में लगे आधुनिक गैजेट्स जैसे—आई-पैड (MDT), बॉडी वॉर्न कैमरा, पीटीजेड (PTZ) कैमरा और जीपीएस (GPS) की लाइव मॉनिटरिंग व उनके सही प्रयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण

दिया गया, जिससे किसी भी घटना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

सोशल मीडिया के जरिए तुरंत मिलेगी मदद

प्रशिक्षण में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि आपातकालीन स्थिति में जनता केवल पारंपरिक कॉल ही नहीं, बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए भी तुरंत मदद पा सकती है। अधिकारियों को बताया गया कि कैसे व्हाट्सएप (7570000100), फेसबुक (@112uttarpradesh), एक्स (@112uttarpradesh) और इंस्टाग्राम के माध्यम से आने वाली सूचनाओं पर बिना समय गंवाए एक्शन लिया जाना है।

'नंबर एक, सेवाएं अनेक' के समन्वय पर प्रशिक्षण

ट्रेनिंग के दौरान यूपी-112 की 'नंबर एक, सेवाएं अनेक' की अवधारणा को और मजबूत करने पर काम किया गया। अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया कि यूपी-112 किस तरह अन्य महत्वपूर्ण आपातकालीन सेवाओं जैसे—फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस, जीआरपी, एसडीआरएफ, एनएचएआई, 1090 वीमेन पावर लाइन और सीएम हेल्पलाइन के साथ मिलकर बेहतर समन्वय के साथ काम कर सकती है।

सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा

अंतिम सत्रों में यूपी-112 के तहत संचालित विभिन्न जन-कल्याणकारी और सुरक्षा योजनाओं की समीक्षा की गई। इसके अंतर्गत बुजुर्गों की सुरक्षा और सहायता के लिए चलाई जा रही 'सवेरा योजना' तथा महिलाओं व लड़कियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 'महिला पीआरवी व एस्कॉर्ट' सेवा के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

युद्ध और महंगे फ्यूल का असर : लखनऊ एयरपोर्ट पर कम हो रही विमान सर्विस, 120 की जगह अब

लखनऊ एयरपोर्ट पर विमान सेवाओं और यात्रियों की संख्या में 20-30% की कमी आई है। यह गिरावट ईरान-इजरायल युद्ध और विमान ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण हुई है

ईरान-इजरायल युद्ध और महंगे ईंधन से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित।

एयर इंडिया एक्सप्रेस की लखनऊ-अबू धाबी सीधी सेवा आज से शुरू।

(एजेंसी)।

लखनऊ। ईरान-इजरायल व अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के कारण प्रभावित विमान सेक्टर अब तक नहीं उभर सका है। अप्रैल और जून माह में लखनऊ से मलेशिया के क्वालालंपुर और बैंकाक की सीधी उड़ान सेवाओं को बंद करना पड़ा। इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस सहित भारतीय विमान कंपनियों की खाड़ी देशों को जाने वाली कुछ सेवाएं बंद

चल रही हैं।

पिछले साल आपरेशन सिंदूर के कारण निरस्त हुई लखनऊ से श्रीनगर की विमान सेवा अब तक शुरू नहीं हो सकी है। घरेलू सेक्टर में नवी मुंबई सहित कई शहरों की सेवाओं के फेरे घटने के कारण लखनऊ एयरपोर्ट पर विमान सेवाओं और यात्रियों की संख्या में कमी दर्ज की गई है। लखनऊ एयरपोर्ट पर 20 प्रतिशत तक विमान सेवाएं और लगभग 30 प्रतिशत यात्री घट गए हैं।

प्रतिदिन होता था 130 से 140 विमानों का आवागमन

इस साल फरवरी में लखनऊ एयरपोर्ट से प्रतिदिन 130 से 140 विमानों का आवागमन प्रतिदिन होता था। इसमें लगभग 20 विमान इंटरनेशनल गंतव्य को जाने वाली सेवाएं थीं। अब यह संख्या घटकर 90 से 100 के बीच पहुंच गई है। बुधवार को कुल 43 विमान लखनऊ आए, जबकि इतने ही विमानों ने चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से उड़ान भरी।

पिछले दिनों लखनऊ से नोएडा नया एयरपोर्ट जुड़ गया है। आइजोल के लेंगपुई एयरपोर्ट से भी इंडिगो एयरलाइन का विमान 6ई-6552 लखनऊ से जुड़ गया है। इनके बीच विमान ईंधन की कीमतों में वृद्धि के चलते एयरलाइन कंपनियों ने नवी मुंबई, दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई जैसे शहरों के फेरे घटा दिए हैं।

आबुधाबी की सीधी सेवा आज से

एयर इंडिया एक्सप्रेस गुरुवार से लखनऊ से आबुधाबी की सीधी विमान सेवा की शुरूआत कर रहा है। विमान

आइएक्स -901 प्रतिदिन लखनऊ से आबुधाबी दोपहर 3:15 रवाना होकर शाम 5:45 बजे वहां पहुंचेगी। इसी तरह विमान आइएक्स -902 आबुधाबी से शाम 6:45 बजे रवाना होकर रात 12:20 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेगी।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

पाक सेना की क्रूरता 6 नागरिकों को मार डाला

पाकिस्तान भारतीय जम्मू-कश्मीर को अपना हिस्सा बनाने का अपने लोगों में जुनून पैदा करता है और भारत के निर्दोष पर्यटकों, सुरक्षाबलों और नागरिकों को निशाना बनाता है जबकि अपने कब्जे वाले गुलाम कश्मीर यानि पीओके में आए दिन निर्दोष नागरिकों की जानें ले रहा है। मंगलवार को सुबह ही पाक सेना ने पीओके के रावलकोट के मटियाल मीरा बस टर्मिनल क्षेत्र में अनायास ही गोली चलाकर सेना ने 6 नागरिकों को मार डाला। प्रायः सैन्य तानाशाही नागरिकों को वदी का भय दिखाने के लिए ऐसे व्रूर कारनामें करती रहती हैं। लोकतांत्रिक देशों में सेना सरकार के प्रति उत्तरदायी होती है किन्तु जिन देशों की सरकारें सेना के निर्देशन में काम करती है वहां का स्थानीय प्रशासन सेना की इच्छा एवं उनकी नीतियों के अनुसार चलता है। हैरानी की बात तो यह है कि दुनिया में अकेला पाकिस्तान देश ही ऐसा है जिसने गुलाम जम्मू-कश्मीर के 40 लाख लोगों को भूखों मारने के लिए बाहर से खाद्य सामग्री की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगा दिया जबकि बिजली काटकर अपने ही नागरिकों को अंधकार में रहने के लिए मजबूर कर दिया। पाकिस्तान सरकार और सेना गुलाम कश्मीर के नागरिकों को अपना दुश्मन मानने लगी है। डींगे तो ऐसा मारती है कि पीओके का क्षेत्र आजाद है किन्तु सच यह है कि अलगाववादी आंदोलनों और प्रदर्शनों से घबराकर सेना ने इस क्षेत्र की जनता पर जुल्म ढाना शुरू कर दिया है। वैसे तो यह व्रम पिछले एक दशक से चल रहा है किन्तु जब भारतीय जम्मू-कश्मीर में प्रगति और विकास ने गति पकड़ी तथा पीओके में आम सुविधाओं का टोटा दिखने लगा तो पीओके के जो लोग अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा या अन्य देशों में बसे हैं उन्होंने स्थानीय नेताओं की आंखें खोलने का प्रयास किया। उनका प्रयास सफल हुआ और पीओके के हर वर्ग में चेतना का संचार हुआ कि आखिर नवम्बर 1947 में तो उनको जबर्दस्ती गुलाम बनाया गया। वे पाकिस्तान का हिस्सा बनकर आखिर क्यों रहें। धीरे-धीरे पीओके के सभी वगरे को इस बात का एहसास हुआ कि उनका भविष्य तो भारत के साथ ही सुरक्षित है। पीओके में व्रान्ति की चेतना लाने के लिए विदेशों में जो भी संगठन सव्रिय हैं, उन्होंने पाक सेना के विद्रोह में पूरी ताकत लगा दी है। परिणामस्वरूप पाकिस्तान की सशस्त्र पुलिस के सैकड़ों जवान मारे जा चुके हैं और पाक सेना अब पीओके की आम जनता के प्रतिरोध का सामना करने से कतराने लगी है। जिस तरह मंगलवार को सुबह ही 6 लोगों को पाक सेना ने भून दिया इसी तरह आए दिन पीओके के लोगों को निशाना बना देती हैं किन्तु जैसे ही पीओके के लोग उग्र प्रदर्शन करते हैं और सुरक्षाबलों एवं पुलिस को निशाना बनाते हैं तो पाकिस्तान उनका राशन-पानी, पेट्रोल, बिजली इत्यादि सब वुछ बंद कर देती है। पिछले तीन महीनों से पीओके की जनता खून के आंसू से अपनी तकदीर लिखने का प्रयास कर रही है। प्रवासी पीओके के संगठनों ने सोमवार को ही व्हाइट हाउस के सामने प्रदर्शन किया और पाकिस्तान सेना के अमानवीय व्यवहार के खिलाफ नारे लगाए। अच्छा संकेत यह भी है कि अब भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता पाक सेना और सरकार द्वारा पीओके में किए जा रहे उनके अमानवीय वृत्य की निन्दा करते हैं, जबकि संयुक्त राष्ट्र में भारतीय स्थाई प्रतिनिधि वैश्विक स्तर पर इस व्रूरता के लिए पाक सेना व सरकार की निन्दा करते हैं और पाकिस्तान के वास्तविक चरित्र एवं चेहरे की पोलपट्टी खोलते हैं। भारतीय स्थाई प्रतिनिधि ने अभी हाल ही में पाकिस्तान के स्थाई प्रतिनिधि पर तंज करते हुए पूछा था कि भारतीय अधिनियम की शतरे के अनुसार भारत के हिस्से वाले जम्मूकश्मीर पर नाटकीय आंसू बहाने वालों को अवैध रूप से कब्जाए पीओके के नागरिकों के आंसू क्यों नहीं दिखते। लब्बोलुआब यह है कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर को भारत से अलग करने का जो हथवंडा अपनाया था, लग रहा है उसी का परिणाम अब उसे अपने कब्जाए पीओके में मिलना शुरू हो गया है। भारत के जम्मू-कश्मीर में गड़बड़ फैलाकर जनमत संग्रह की मांग करने वाली पाक सरकार और सेना क्या अब पीओके में जनमत संग्रह कराने पर सहमत होगी? भारत के जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देकर और अलगाववादियों को संगठित व वित्तपोषित करके जो इसे हथियाने का सपना देख रहे थे, उन्हीं के सामने पीओके में नारे लग रहे हैं कि वे भारत के साथ रहना चाहते हैं।

'स्वच्छता से स्वागत': कैसे पीएम मोदी के दौरों से पहले बदल रही है स्वागत की परंपरा?

पीएम मोदी के दौरे से पहले 'स्वच्छता से स्वागत' अभियान चलाया जा रहा है. इसमें शहर, सड़कें और कार्यक्रम स्थल साफ किए जाते हैं. यह स्वच्छ भारत मिशन से जुड़ा है, जिसमें आम लोग भी हिस्सा लेते हैं.

(एजेंसी)।

नई दिल्लीः पहले किसी बड़े नेता या विशिष्ट अतिथि के स्वागत के लिए फूल-मालाएं, बैनर और भव्य मंच तैयार किए जाते थे लेकिन अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किसी भी राज्य दौरे से पहले एक नई परंपरा तेजी से देखने को मिल रही है. इसका नाम है 'स्वच्छता से स्वागत' यानी प्रधानमंत्री के स्वागत से पहले शहर, सड़कें और कार्यक्रम स्थल साफ-सुथरे बनाए जाते हैं. इस अभियान में सिर्फ प्रशासन ही नहीं, बल्कि आम लोग भी हिस्सा लेते हैं.

क्या है 'स्वच्छता से स्वागत' अभियान?

'स्वच्छता से स्वागत' का मतलब है कि प्रधानमंत्री के किसी कार्यक्रम से पहले उस शहर या इलाके में विशेष सफाई अभियान चलाया जाए. इसके तहत कार्यक्रम स्थल, मुख्य सड़कें, सार्वजनिक स्थान और आसपास के इलाकों की सफाई की जाती है. मकसद सिर्फ कार्यक्रम की तैयारी नहीं, बल्कि लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना भी है.

किन राज्यों में दिखी इसकी झलक?

हाल के महीनों में प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से पहले कई राज्यों में यह अभियान चलाया गया.

इनमें प्रमुख रूप से-, गुजरात, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा जैसे राज्य शामिल हैं.

इन जगहों पर नगर निगम, जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने मिलकर सफाई अभियान चलाया.

सिर्फ प्रशासन नहीं, आम लोग भी बन रहे हैं हिस्सा

इस अभियान की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें सिर्फ सरकारी कर्मचारी ही नहीं, बल्कि समाज के अलग-अलग वर्ग भी जुड़ते हैं. सफाईकर्मी, नगर निगम कर्मचारी, सामाजिक संगठन, स्वयंसेवी संस्थाएं, जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक मिलकर सफाई करते हैं. इससे यह संदेश देने की कोशिश होती है कि स्वच्छता सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि

हर नागरिक की भी जिम्मेदारी है.

स्वच्छ भारत मिशन से जुड़ी है इसकी सोच

'स्वच्छता से स्वागत' अभियान की सोच सीधे तौर पर स्वच्छ भारत मिशन से जुड़ी हुई है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी की जयंती पर स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत की थी. इस अभियान का उद्देश्य देश को खुले में शौच से मुक्त बनाना, साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था विकसित करना और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना था.

सरकारी योजना नहीं, जन आंदोलन बनाने की कोशिश

स्वच्छ भारत मिशन को सिर्फ सरकारी योजना बनाकर नहीं छोड़ा गया. प्रधानमंत्री मोदी ने कई बार खुद झाड़ू लगाकर लोगों को सफाई का संदेश दिया. उन्होंने बार-बार कहा कि स्वच्छता किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है. 'स्वच्छता से स्वागत' इसी सोच को आगे बढ़ाने वाला अभियान माना जा रहा है.

'अतिथि देवो भव' को मिला नया रूप

भारतीय संस्कृति में सदियों से 'अतिथि देवो भव' की परंपरा रही है. पहले स्वागत का मतलब फूल-माला और सजावट से होता था. अब इसमें एक नया बदलाव देखने को मिल रहा है. अब किसी अतिथि का स्वागत एक साफ-सुथरे शहर, स्वच्छ सड़क और व्यवस्थित सार्वजनिक स्थानों के जरिए भी किया जा रहा है.

क्या है इस अभियान का बड़ा संदेश?

'स्वच्छता से स्वागत' सिर्फ प्रधानमंत्री के दौरे तक सीमित नहीं है. इस अभियान का संदेश है कि किसी भी बड़े आयोजन को समाज के हित से जोड़ा जा सकता है. अगर हर सार्वजनिक कार्यक्रम, त्योहार और राष्ट्रीय आयोजन से पहले इसी तरह सफाई अभियान चलाया जाए, तो स्वच्छ भारत मिशन को और मजबूती मिल सकती है.

स्वच्छ भारत मिशन ने कैसे बदली तस्वीर?

स्वच्छ भारत मिशन के तहत देशभर में करोड़ों शौचालय बनाए गए. ग्रामीण इलाकों में खुले में शौच मुक्त (डउक्र) अभियान चलाया गया. शहरी क्षेत्रों में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, कचरे का अलग-अलग वर्गीकरण, वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण और सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण पर जोर दिया गया. इसके साथ ही लोगों को अपने घर, मोहल्ले और सार्वजनिक स्थानों को साफ रखने के लिए भी प्रेरित किया गया.

बदल रही है स्वागत की सोच

समय के साथ स्वागत करने का तरीका भी बदल रहा है. अब सिर्फ मंच सजाने और फूलों से स्वागत करने की जगह कई राज्यों में प्रधानमंत्री के दौरे से पहले पूरे शहर को साफ और सुंदर बनाने पर जोर दिया जा रहा है. 'स्वच्छता से स्वागत' इसी बदलती सोच का प्रतीक है, जिसमें स्वागत के साथ-साथ नागरिक जिम्मेदारी और जनभागीदारी का संदेश भी जुड़ा हुआ है.

आसिम मुनीर का नया गेम? सऊदी और तुर्किये के साथ भारत के खिलाफ बना रहे इस्लामिक नाटो? कितना बढ़ेगा खतरा?

(एजेंसी)।

मिडिल ईस्ट की पॉलिटिक्स में एक नया ट्विस्ट आने वाला है। अब तुर्किये अब पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए 'स्ट्रेटेजिक म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट' में शामिल होने के लिए काफी एडवांस लेवल की बातचीत कर रहा है। अगर यह डील फाइनल हो जाती है, तो मिडिल ईस्ट में एक नया त्रिकोणीय सुरक्षा गठबंधन देखने को मिल सकता है। सोर्सेज के मुताबिक, तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ने इस प्रपोजल को अपनी मंजूरी दे दी है। यह सहमति तब बनी जब पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने तुर्किये के अपने दो दिनों दौरे के दौरान एर्दोगन से खास मुलाकात की थी। क्या है ये गठबंधन और भारत पर क्या होगा इसका असर, जानेंगे।

क्या हुई डील और उससे क्या होगा?

इस हाई-लेवल मीटिंग में दोनों पक्षों ने न सिर्फ द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर बात की, बल्कि एक बड़े लेवल की स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप पर भी चर्चा की। इस नए अरेंजमेंट के तहत उम्मीद की जा रही है कि तुर्किये अपनी एडवांस डिफेंस इंडस्ट्री और मिलिट्री टेक्नोलॉजी को पाकिस्तान और सऊदी अरब के साथ जोड़ देगा। इंटेलिजेंस सोर्सेज का कहना है कि इस प्रस्तावित रक्षा और रणनीतिक साझेदारी के नियम के साथ-साथ शर्तें और यह पूरा सिस्टम कैसे काम करेगा।

क्या बन रहा है 'इस्लामिक नाटो'? क्या है R-4 ग्रुप?

इंटेलिजेंस सोर्सेज ने इस नए अरेंजमेंट को सऊदी अरब के नेतृत्व वाले एक संभावित इस्लामिक नेटो की शुरूआत के रूप में डिस्क्राइब किया

है। इसके साथ ही सोर्सेज ने 'R-4' यानी Regional Four नाम के एक नए ग्रुप के उभरने की तरफ भी हिंट दिया है, जिसमें पाकिस्तान, तुर्किये, मिस्र और सऊदी अरब शामिल हैं। इस ग्रुप का असली मकसद डिफेंस को-ऑर्डिनेशन और डिप्लोमैटिक बातचीत के जरिए मिडिल ईस्ट के शिफ्टिंग जियोपॉलिटिकल इक्वेशंस और रीजनल कॉन्फ्लिक्ट्स (क्षेत्रीय विवादों) को हैंडल करना है। दावा ये भी किया जा रहा है कि यह नया ब्लॉक Collective Security यानी एक साथ के सिद्धांत पर बेस्ड होगा। इसका मतलब यह है कि अगर किसी भी एक मेंबर देश पर खतरा आता है, तो उसे पूरे अलायंस पर खतरा माना जाएगा (कुछ हद तक नेटो जैसा)।

बार-बार किए आसिम मुनीर ने दौरे

पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने सुरक्षा संबंधों को बढ़ाने के लिए पिछले कुछ महीनों में लीबिया, सऊदी अरब, मिस्र, जॉर्डन, यूएई, ईरान, लेबनान और कतर के सीनियर प्रतिनिधियों के साथ बैक-टू-बैक कई मीटिंग्स की हैं। इंटेलिजेंस सोर्सेज का यह भी कहना है कि इन सबके अलावा मुनीर ने मिडिल ईस्ट के कई पॉलिटिकल लीडर्स और मिलिट्री कमांडर्स के साथ कई ऐसी मीटिंग्स भी की हैं जिन्हें पूरी तरह से गुप्त रखा गया है, क्योंकि पाकिस्तान इस समय पूरे रीजन में अपने डिप्लोमैटिक और सिक्योरिटी फुटप्रिंट्स को तेजी से बढ़ाना चाहता है, जिस्से उसका प्रभाव बढ़ सके। दोनो पक्षों के बीच बातचीत जारी है।

भारत पर क्या होगा असर?

अगर भविष्य में कभी पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ पहलगाम, उड़ी या पुलवामा जैसा हमला किया तो जाहिर सी बात है कि भारत जवाब देगा। ऐसी स्थिति में अगर पैक्ट की बात मानी तो तुर्किये और सऊदी को भी पाकिस्तान के साथ इस जंग में उतरना पड़ सकता है। लेकिन इसमें इस बात को लेकर कोई जानकारी नहीं है कि ये देश पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों के बावजूद भी उसका समर्थन करेंगे या नहीं।

इसके अलावा तुर्किये के पास टॉप लेवल की डिफेंस टेक्नोलॉजी है जबकि पाकिस्तान के पास न्यूक्लियर हथियार के अलावा और कुछ नहीं है। उसमें भी, न्यूक्लियर हथियार के इस्तेमाल होने की संभावना न के बराबर है। तो क्या ऐसी स्थिति में तुर्किये अपने संसाधन एक ऐसे देश के लिए खर्च करेगा जो आतंकवाद को पालता हुआ आया हो? ये भी एक बड़ा प्रश्न है जिसका जवाब अभी किसी के पास नहीं है।

सऊदी अरब जाएगा भारत के खिलाफ?

सऊदी अरब और भारत के रिश्ते पाकिस्तान से भी ज्यादा मजबूत हैं। ऐसी स्थिति में उसका भारत के खिलाफ जाना भी असंभव के करीब दिख रहा है। साथ ही पाकिस्तान उस हैसियत का देश नहीं है जिसके लिए सऊदी भारत जैसे देश से अपने रिश्ते खराब करना चाहेगा। फिलहाल ये सारे पैक्ट अभी बातों में हैं, इनकी असलियत तब पता चलेगी जब ये धरातल पर होंगे और इनके एग्जीक्यूट होने की बारी आएगी।

इंडिया-इंग्लैंड के दूसरे वनडे का बदला टाइम, भारत में कितने बजे शरू होगा मैच?

(एजेंसी)।

भारत और इंग्लैंड के बीच पहला एकदिवसीय मुकाबला खत्म होने के बाद अब अगले मैच की बारी है। भारत ने पहले मैच में जबरदस्त जीत दर्ज करते हुए सीरीज में लीड हासिल कर ली है। टीम इंडिया दूसरा मैच जीतकर सीरीज अपने नाम कर सकती है।

भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन में बदलाव के पूरे आसार दिखाई दे रहे हैं। टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल पहले मैच में बैटिंग करते हुए चोटिल हो गए थे। उस कंडीशन के बाद उनको लेकर कोई जानकारी नहीं आई है। ऐसे में कयास लग रहे हैं कि वह शायद बाहर हो जाएं।

रोहित शर्मा पिछले मैच में फ्लॉप हो गए थे, ऐसे में इस बार उनके बल्ले से धाकड़ प्रदर्शन की उम्मीद की जा रहा है। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान को एक बार फिर से टीम में मौका मिलना तय है। विराट कोहली भी नंबर तीन पर खेलने के लिए तैयर हैं। कार्डिफ में होने वाले इस मैच के समय में बदलाव है।

दूसरे वनडे का टॉस टाइम क्या है?

भारत और इंग्लैंड के बीच कार्डिफ में होने वाले दूसरे एकदिवसीय मुकाबले के टॉस का समय अलग है। शेड्यूल में इस मैच को शुरू करने का समय 5 बजकर 30 मिनट है। इसके मतलब है कि इस मैच का टॉस शाम 5 बजे से होना है। देर रात तक होने की वजह से भारत के दर्शकों के लिए टाइम को सूटेबल नहीं कहा जा सकता है।

कहां देखें लाइव मैच?

टीवी पर मैच देखने के लिए दर्शकों को सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर जाना होगा। इसके अलावा ओटीटी पर भी इस मुकाबले का सीधा प्रसारण किया जाएगा। जियो-हॉटस्टार पर मैच का लाइव प्रसारण किया जाएगा। इसके लिए फैंस के पास सब्सक्रिप्शन होना जरूरी है। डीडी फ्री डिश वाले यूजर्स वहां मैच को फ्री में देख सकते हैं।

इंग्लैंड की टीम

जैकब बेथेल, बेन डकेट, जो रूट, हैरी ब्रूक (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), सैम करन, विल जैक्स, लियाम डॉसन, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टंग, साकिब महमूद, टॉम बैंटन, गस एटकिंसन, जेम्स कोल्स, रेहान अहमद

भारत की टीम

रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, वॉशिंगटन सुंदर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, शिवम दुबे, गुरनूर बरार, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, ईशान किशन, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव

'यहां तो ऑफिस में ही बेड लगे होते हैं', कौन हैं श्वेता क्वात्रा? सालों बाद बताया दर्दनाक सच

(एजेंसी)।

रूपहले पर्दे की चकाचौंध के पीछे लोगों को कितना दर्द और शोषण सहना पड़ता है इसका अंदाजा कोई लगा नहीं सकता है। टीवी की ग्लैमरस अभिनेत्रियों में से एक श्वेता क्वात्रा ने सालों बाद कास्टिंग काउच को लेकर बातें की हैं और ये बताया कि शुरूआती दिनों में उनका पाला कैसे-कैसे खराब लोगों से पड़ा था लेकिन ऊपरवाले की दया से वो किसी दलदल में नहीं फंसी।

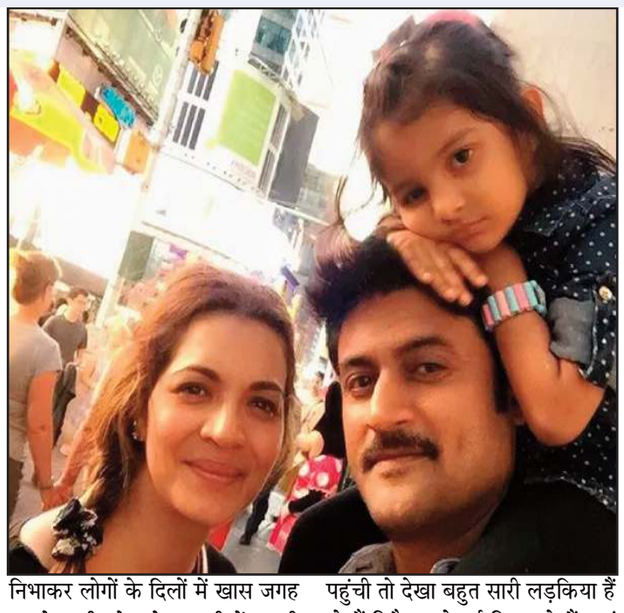

टीवी के सुपरहिट शो 'कहानी घर घर की' में पल्लवी और 'कुसुम' में ईशा जैसे निगेटिव किरदार को

निभाकर लोगों के दिलों में खास जगह बनाने वाली श्वेता ने हाल ही में शाइनी नारंग के पॉडकास्ट में अपनी लाइफ से जुड़े एक भयावह सच से पर्दा उठाया है।

उन्होंने कहा कि 'शुरूआती दिनों में जब मैं मुंबई में काम की तलाश कर रही थी तो कई बार गंदे लोगों का सामना हो जाता था, दरअसल इसके पीछे ज्यादातर कारण एजेंट या मीडियेटर लेवल के लोग होते हैं।'

'कुछ लोगों के तो ऑफिस में ही बेड लगे होते हैं'

उन्होंने कहा कि 'कुछ लोगों के तो ऑफिस में ही बेड लगे होते हैं, एक बार मैं भी इसका शिकार हो चुकी हूं, उन्होंने बिना नाम लिए बताया कि एक बार मुझे एक बड़े होटल में ऑडिशन के लिए बुलाया गया था, वहां मैं पहुंची तो देखा बहुत सारी लड़किया हैं तो मैं रिलैक्स हो गई कि चलो मैं यहां पर अकेली नहीं हूं। बारी-बारी से लड़कियों को कमरे में बुलाया जा रहा था, मुझे भी एक रूम में भेजा गया, जहां पर प्रोड्यूसर, डायरेक्टर, राइटर सब थे।'

ऑडिशन के नाम पर होता है लड़कियों का शोषण

'पहले तो मुझे सब सामान्य लग रहा था, मुझे देखते ही प्रोड्यूसर ने मुझसे पूछा- स्क्रिप्ट पढ़ लिया, मैंने कहा -हां, तब उसने बोला कि कुछ संवाद बोलकर दिखाओ, मैंने वो कर दिया। इसके बाद उन्होंने कहा कि - वॉक करके दिखाओ, मैंने वो भी कर दिया, इसके बाद उसने कहा- ठीक है, अब कपड़े उतारो।'

मैं एकदम अंदर से हिल गईः श्वेता क्वात्रा

'मैं हैरान रह गई, मुझे लगा कि शायद मैंने ठीक से सुना नहीं है। मैंने उनसे पूछा कि आपने क्या कहा? उसने वापस दोहराया कि कपड़े उतारने को कहा है। मैंने उससे पूछा कि लेकिन क्यों? तो उसने कहा कि देखना चाहता हूं कि जब स्विम सूट पहनोगी तो कैसे लगोगी।'

'तुरंत वहां से उठी और थैक्यू बोलकर जल्दी से बाहर आ गई'

श्वेता ने कहा कि 'मैं उसके इरादे भांप गई और तुरंत वहां से उठी और थैक्यू बोलकर जल्दी से बाहर आ गई। मैं अंदर से बहुत डर गई थी और आज भी वो बात मुझे परेशान करती है।' आपको बता दें किं श्वेता इन दिनों टीवी की दुनिया से दूर दुबई में अपने परिवार संग लाइफ बिता रही हैं लेकिन वो सोशल मीडिया कि एक्टिव पर्सन है और रीयल स्टेट का काम करने लगी हैं।

टीवी एक्टर मानव गोहिल से की है श्वेता ने शादी

10 फरवरी 1976 को दिल्ली में जन्मी श्वेता क्वात्रा की शादी टीवी एक्टर मानव गोहिल से हुई है, दोनों टीवी की दुनिया के पॉवर कपल कहे जाते हैं। शादी के आठ साल बाद श्नेता-मानव बेटी जहारा तबीथा के माता-पिता बने। श्वेता कवात्रा बौद्ध धर्म को मानती हैं और सोका गक्कई की सदस्य हैं। उन्होंने 'कहानी घर घर की', 'कुमकुम - एक प्यारा सा बंधन', 'सी.आई.डी.' और बाल वीर' जैसे चर्चित शो में काम किया है।

महेंद्र सिंह धोनी ने सीएसके को चुपचाप कहा अलविदा? नहीं खेलेंगे अगला सीजन? टूट गया करोड़ों फैंस का दिल

(एजेंसी)।

चेन्नई सुपर किंग्स के साथ स्टीफन फ्लेमिंग का 18 वर्ष पुराना रिलेशन खत्म होने के बाद एक नई खबर सामने आ रही है। यह खबर महेंद्र सिंह धोनी को लेकर है। माही को चेन्नई सुपर किंग्स में एक नया रोल मिल सकता है। ऐसा होता है, तो फैंस को बड़ा झटका लगने वाला है।

रिपोर्ट की मानें, तो फ्लेमिंग के जाने पर धोनी को बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। उनको चेन्नई सुपर किंग्स टीम का मेंटर बनाया जा सकता है। माही शुरूआत से ही चेन्नई सुपर किंग्स के साथ जुड़े रहे हैं, अगर वह मेंटर बनते हैं, तो टीम के लिए अच्छा ही होगा।

रेवस्पोर्ट्ज की एक रिपोर्ट के अनुसार सूत्रों का कहना है कि अगले वर्ष आईपीएल में महेंद्र सिंह धोनी को यह फ्रेंचाइजी अपना मेंटर बन सकती है। वह स्टीफन फ्लेमिंग की जगह ले सकते हैं। पिछले दो सालों से टीम प्लेऑफ में पहुंचने में नाकाम रही है। धोनी चोट की वजह

से 2026 में एक भी मैच नहीं खेले थे लेकिन टीम का कोर पार्ट बने रहे थे।

मेंटर का मतलब आईपीएल से रिटायरमेंट

अगर माही को मेंटर बनाया जाएगा, तो वह नहीं खेलेंगे। उन्होंने रिटायरमेंट की घोषणा नहीं की लेकिन मेंटर बनने का अर्थ यही होगा। धोनी इस साल एक भी मैच नहीं खेले थे और उनकी उम्र भी 45 साल हो गई है। ऐसा लग रहा है कि वह अपना अंतिम आईपीएल मुकाबला साल 2025 में ही खेल गए थे।

इंग्लैंड में भारत के मैच देख रहे माही

आईपीएल खत्म होने के बाद धोनी को छुट्टियों वाले मोड में देखा गया था। वह भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे पर दो बार स्टेडियम में दिखाई दिए हैं। टी20 सीरीज के अलावा एजबेस्टन में पहले एकदिवसीय मैच में भी वह स्टैंड में बैठकर मैच का आनन्द उठाते हुए दिखे।

इंग्लैंड में ही मनाया जन्मदिन

इसके अलावा धोनी ने विंबलडन का भी मजा उठाया है। आईपीएल के बाद धोनी ने अपना जन्मदिन भी लंदन में ही मनाया। काफी टाइम से वह अपना समय इंग्लैंड में ही बिता रहे हैं। अब देखना होगा कि वह चेन्नई में मेंटर बनाकर आते हैं या फिर अगले सीजन भी खिलाड़ी बनकर आएंगे।

उन्नावः गंज मुरादाबाद सीएचसी बना 'राम भरोसे', डॉक्टरों की लापरवाही से मरीज परेशान, सरकारी ड्यूटी छोड़ प्राइवेट में वसूली

(एजेंसी)।

उन्नाव। सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लाख दावे कर ले, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। उन्नाव जिले के गंज मुरादाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की मनमानी और लापरवाही इस कदर बढ़ गई है कि मरीज इलाज के लिए घंटों भटकने को मजबूर हैं।

सीएचसी में तैनात डॉ. महेंद्र पटेल और डॉ. हिना पर सबसे गंभीर आरोप हैं। ग्रामीणों का कहना है कि दोनों डॉक्टर रोजाना समय से नहीं आते। हालात ये हैं कि एक दिन में सिर्फ एक ही डॉक्टर ड्यूटी पर आता है। नतीजा - सुबह 8 बजे से ओपीडी के बाहर मरीजों की लंबी कतार लग जाती है और डॉक्टर 10-11 बजे तक भी नहीं पहुंचते।

सरकारी अस्पताल छोड़, प्राइवेट नर्सिंग होम में 'कमाई'

सबसे चौंकाने वाला आरोप डॉ. महेंद्र पटेल पर है। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने अपने भाई के नाम से कस्बे में एक निजी नर्सिंग होम खोल रखा है। सरकारी ड्यूटी को ताक पर रखकर वह ढाई बजे के बाद वहीं मरीज देखने बैठ जाते हैं।

हमारे संवाददाता ने जब मरीज बनकर पड़ताल की तो आरोप सही निकले। डॉक्टर ने पर्चे पर दवा लिखते हुए कहा - "ये दवा ले लो, 2 दिन बाद ढाई बजे के बाद यहीं आकर दिखाना"। इसके बाद उन्होंने परामर्श शुल्क के नाम पर 400 रुपये भी लिए।

अधीक्षक बोले - सब ठीक है

इस पूरे मामले पर जब सीएचसी अधीक्षक डॉ. मंजेश कुमार से बात की गई तो उन्होंने लीपापोती करते हुए कहा कि "डॉक्टर समय से आते हैं, कोई समस्या नहीं है"। डॉ. पटेल के प्राइवेट प्रैक्टिस के सवाल पर उन्होंने अनभिज्ञता जताते हुए कहा "मुझे इसकी जानकारी नहीं है"।

ग्राउंड जीरो की हकीकत

सुबह 8 बजे से 10 बजे तक की पड़ताल में सीएचसी में एक भी डॉक्टर नहीं मिला। प्रसव, बुखार, बच्चों के इलाज के लिए आई महिलाएं और बुजुर्ग डॉक्टर का इंतजार करते-करते वापस लौट गए। ग्रामीणों का गुस्सा चरम पर है। उनका कहना है कि "गरीब आदमी कहां जाए? सरकारी अस्पताल में डॉक्टर नहीं मिलता और प्राइवेट में 400 रुपये देने पड़ते हैं"।

स्थानीय लोगों ने उटड और जिलाधिकारी से मांग की है कि सीएचसी में बायोमैट्रिक हाजिरी, CCTV और औचक निरीक्षण शुरू किया जाए। साथ ही सरकारी डॉक्टरों द्वारा प्राइवेट प्रैक्टिस पर सख्त कार्रवाई की जाए।

अगर जल्द सुधार नहीं हुआ तो ग्रामीण धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 18 जुलाई को संभल आएंगे:1,000 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे

(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 18 जुलाई को संभल जिले का दौरा करेंगे। शासन से कार्यक्रम की जानकारी मिलने के बाद जनपद में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। बुधवार को जिला प्रशासन को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की सूचना मिली।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। जनपद के सभी अधिकारियों की बैठक कर उन्हें जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं।

जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री का कार्यक्रम जिला मुख्यालय के गांव आनंदपुर में पुलिस लाइन के निकट आयोजित होगा। इस दौरान वे 1000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कर सकते हैं।

इन परियोजनाओं में संभल की कल्कि नगरी के 68 तीर्थों, 19 कूपों की 24 कोसीय परिक्रमा (52 किलोमीटर लंबी, 350 करोड़ रुपये की परियोजना) सहित पर्यटन विभाग और 15वें वित्त आयोग से जीर्णोद्धार किए जा रहे तीर्थ भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का समय (दिन या शाम) 16 जुलाई की रात तक स्पष्ट हो जाएगा।

लखनऊ में पांच अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर, एलडीए की कार्रवाई में होटल रेनेसां का स्टोर सील

होटल रेनेसां के साइड सेटबैक में बने अवैध स्टोर को सील किया।

बीकेटी में 20 बीघा क्षेत्रफल की पांच अवैध प्लाटिंग ध्वस्त।

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर हुई यह कार्रवाई।

(एजेंसी)।

लखनऊ। एलडीए ने अब गोमती नगर के होटल रेनेसां में साइड सेटबैक में अवैध तरीके से बने स्टोर को मंगलवार को सील कर दिया। इसके अलावा बीकेटी क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ अभियान चलाया गया। जहां लगभग 20 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही पांच अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाया गया।

एलडीए के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने शहर में होटल, बैंक्वेट हाल, कोचिंग सेंटर, हास्पिटल समेत अन्य बहुमंजिला इमारतों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की जांच का आदेश दिया था।

इसके अनुपालन में एलडीए व अग्निशमन विभाग की संयुक्त टीम ने शहर में अभियान चलाकर विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया था। इसी क्रम में गोमती नगर स्थित होटल रेनेसां में भी जांच की गयी थी, जहां गंभीर अनियमितताएं पाई गई थीं।

प्रवर्तन जोन-एक के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया, होटल रेनेसां को लीज पर आवंटित की गई ग्रीन बेल्ट की जमीन के नीचे एक भाग में अवैध रूप से बेसमेंट का निर्माण किया गया है।

इसके अलावा साइट सेटबैक में अवैध रूप से स्टोर का निर्माण पाया गया। इस पर निदेशक, डीआर होटल (रेनेसां) के खिलाफ नोटिस जारी की गई थी। प्रकरण में संबंधित साक्ष्य प्रस्तुत न करने पर विहित प्राधिकारी न्यायालय ने सीलिंग करने का आदेश दिया था।

टीम के साथ मौके पर पहुंचे प्रवर्तन जोन-एक के सहायक अभियंता रविशंकर राय, अवर अभियंता विपिन बिहारी राय व राहुल विश्वकर्मा ने साइड सेटबैक में बने अवैध स्टोर को सील कर दिया।

जोनल अधिकारी ने बताया कि ग्रीन बेल्ट में बने अवैध बेसमेंट को खाली करने के लिए होटल प्रबंधन ने समय की मांग किया था। जिस पर उन्हें 24 घंटे की मोहलत दी गई है। इसके बाद अवैध बेसमेंट को भी सील किया जाएगा।

इसी तरह प्रवर्तन जोन-पांच के जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह ने बताया कि बीकेटी के ग्राम-भैसामऊ व डिगोई में अभियान चलाया गया। इस दौरान रवि कुमार, राकेश, रविंदर, राम किशोर यादव, संजय, शैलेंद्र सिंह व अन्य द्वारा लगभग 20 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही पांच अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया गया।

गौशालाओं में तैनात पैरावेटों का मानदेय रुका, बीडीओ से भुगतान की मांग

(एजेंसी)।

(पीलीभीत), बीसलपुर विकास खंड क्षेत्र की अस्थायी एवं स्थायी गौशालाओं में कार्यरत पैरावेट (पशु स्वास्थ्य सहायक) ने मानदेय का भुगतान न होने पर खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) को प्रार्थना पत्र देकर शीघ्र भुगतान की मांग की है। साथ ही उन्होंने पैरावेट/मैत्री का मानदेय मनरेगा मजदूरी के बराबर निर्धारित किए जाने की भी मांग उठाई है।

प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि जिलाधिकारी पीलीभीत के 13 मार्च 2026 के आदेश तथा उपमुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, बीसलपुर के 1 अप्रैल 2026 के पत्र के अनुसार ब्लॉक क्षेत्र की गौशालाओं एवं क्षेत्र में घायल एवं निराश्रित गोवंशों की देखभाल तथा प्राथमिक उपचार के लिए पैरावेटों की नियुक्ति की गई थी। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया था कि पैरावेटों का पारिश्रमिक केयरटेकरों के भुगतान के सापेक्ष एसएफसी पूलिंग आउटसोर्सिंग के माध्यम से किया जाएगा।

पैरावेटों का कहना है कि वे अप्रैल 2026 से लगातार गौशालाओं में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन अप्रैल 2026 से अब तक उन्हें किसी भी प्रकार का मानदेय/पारिश्रमिक नहीं मिला है। इससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि वे घायल और बीमार निराश्रित गोवंशों का उपचार एवं देखभाल कर रहे हैं, बावजूद इसके उनका भुगतान लंबित है।

प्रार्थना पत्र में खंड विकास अधिकारी से मांग की गई है कि शासन के आदेशों के अनुरूप अप्रैल 2026 से लंबित समस्त मानदेय का शीघ्र भुगतान कराया जाए तथा पैरावेट/मैत्री का पारिश्रमिक मनरेगा श्रमिकों के बराबर निर्धारित कर नियमित भुगतान सुनिश्चित किया जाए, जिससे वे बिना आर्थिक कठिनाई के अपनी सेवाएं जारी रख सकें।

मानदेय भुगतान की मांग करने वालों में मोहित (ग्राम खनका उचसिया), रामदेव (शाहबाजपुर), संजीव कुमार (बिहारीपुर कुमारिखा), अनिल कुमार (नगीपुर अखौला), ब्रज बहादुर (कितनापुर), सुशील तिवारी (राजुपुर कुंडरी), उमेश चंद (इमलिया भरौली) तथा प्रभाकर गंगवार (उगनपुर मरौरी/बसारा) शामिल हैं।

लखनऊ : बाबा साहब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी में बड़ा बदलाव, छात्र समिति नहीं; अब कंपनी चलाएगी हॉस्टल मेस

बीबीएयू हॉस्टल मेस अब निजी कंपनियों द्वारा संचालित होगा।

मेस शुल्क 95 से बढ़कर 100 रुपये प्रतिदिन करने का प्रस्ताव।

छात्र 21 दिन भोजन की अनिवार्यता पर रोष व्यक्त कर रहे।

(एजेंसी)।

लखनऊ। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) प्रशासन ने छात्रावासों की मेस व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव करने का निर्णय लिया है। अब तक छात्र समितियों द्वारा संचालित मेस को समाप्त कर टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से निजी कंपनियों को सौंपा जाएगा।

नई व्यवस्था के तहत मेस का संचालन तीन चयनित कंपनियों को सौंपा जाएगा। टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और मेस शुल्क में वृद्धि का प्रस्ताव है। वर्तमान में छात्र प्रतिदिन 95 रुपये का भुगतान करते हैं, जिसे बढ़ाकर 100 रुपये करने की योजना है।

प्रशासन ने क्या कहा?

प्रशासन का कहना है कि खाद्य सामग्री की बढ़ती कीमतों और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए यह आवश्यक है। नई व्यवस्था से भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और समय पर भोजन उपलब्ध कराने की निगरानी की जाएगी।

हालांकि, 21 दिन भोजन करने की अनिवार्यता और पांच हजार रुपये मेस काशन मनी को लेकर विद्यार्थियों में रोष है। उनका कहना है कि उन्हें हर महीने 21 सौ रुपये का भुगतान करना होगा, भले ही वे खाएं या नहीं। कुलपति प्रो. आरके मित्तल ने इस नई व्यवस्था को पारदर्शिता और गुणवत्ता में सुधार का माध्यम बताया है।

थाने की चौखट पर इंसाफ का इंतजार, दबंगों के आगे बेबस हुई पुलिस या कानून?

(एजेंसी)।

लखनऊ। थाना ठाकुरगंज में आज-कल इंसाफ की परिभाषा शायद धैर्य परीक्षा हो गई है। मामला मामूली है, गजाला और आसिफ नाम के दो ऐसे नादान लोग, जिन्होंने सरकारी संपत्ति को निजी जागीर बनते देख लिया। जब उन्होंने इसे रोकने की गुस्ताखी की, तो सामने से जवाब मिला, लातों और घूसों की बरसात। और जाते-जाते दबंगों ने जो महान वाक्य कहे, वे पुलिस के कान में मिश्री की तरह घुले होंगे, जहाँ जाना है जाओ, पुलिस हमारा क्या उखाड़ लेगी? और जनाब, बात सोलह आने सच निकली। जब यह घायल-बेचारा जोड़ा इंसाफ की गुहार लेकर ठाकुरगंज थाने पहुँचा, तो पुलिस ने अपनी चिर-परिचित दरियादिली दिखाई। फरियादी सीधे अंदर कैसे आ सकते हैं? यह सोचकर उन्हें सतखंडा चौकी का रुख दिखा दिया गया। चौकी पर पहुँचते ही उनका स्वागत तीन घंटे के वेटिंग पीरियड से हुआ। शायद वहां पुलिस यह चेक कर रही थी कि क्या फरियादी का खून बहना बंद हुआ या नहीं, या फिर वे देखना चाहते थे कि क्या फरियादी बिना मेडिकल के ही खुद-ब-खुद ठीक हो सकता है? अरे, अगर पुलिस मेडिकल कराएगी, तो फिर दबंगों का रसूख कैसे चमकेगा? जब कानून की किताब के पन्ने भारी रसूख के सामने फड़फड़ाने लगें, तो बेचारों को अपना इलाज खुद ही कराना पड़ता है। गजाला और आसिफ ने भी वही किया, अस्पताल गए और अपनी मरहम-पट्टी खुद करवाई। पर कहानी यहाँ खत्म नहीं होती! असली क्लाइमैक्स तो तब आया जब अस्पताल से लौटने के बाद दबंगों ने एक विजिट और की इस बार शिकायत वापस लेने की नसीहत और जान से मारने की धमकी का तोहफा लेकर। और हमारे पुलिस महकमे की फाइलें? वे तो इस गर्मी में शायद किसी एयर-कंडीशंड अलमारी में आराम फरमा रही हैं। आखिरकार, न्याय की रफ्तार अब चोट की गंभीरता से नहीं, बल्कि अपराधी के विजिटिंग कार्ड की मोटाई से तय होती है। अगर आप आम आदमी हैं, तो चौखट पर बैठकर इंतजार करना आपका परम कर्तव्य है। और दबंग हैं? तो बेफिक्र रहिए, आपकी फाइल पर धूल जमना तो पुलिस की सेवा का प्रमाण है। अब वरिष्ठ अधिकारी जागेंगे, या फाइल को किसी रजाई के नीचे सुलाकर अपनी वर्दी की शोभा बढ़ाते रहेंगे? वैसे, शहर के सुरक्षा चक्र को देखकर तो यही लगता है कि शायद अब पुलिस का काम मुजरिम पकड़ना नहीं, बल्कि पीड़ित को यह सिखाना है कि चुप रहने में ही भलाई है।

अमेरिका ने हमले किए तेज, 30 नागरिकों की मौत से तमतमाया ईरान, खाड़ी से एनर्जी एक्सपोर्ट रोकने की दी धमकी

(एजेंसी)।

ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है। अमेरिका ईरान पर हमले तेज कर दिए हैं। ईरान के स्वास्थ्य मंत्री ने दावा किया है कि हाल के अमेरिकी हमलों में 30 से अधिक आम नागरिकों की मौत हो गई है और 260 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता होसैन केरमानपुर ने बुधवार को यह जानकारी दी। घायलों में तीन महिलाएं और छह बच्चे शामिल हैं। केरमानपुर ने यह भी बताया कि 222 लोगों का इलाज किया गया और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। वहीं इन हालिया हमलों के बाद ईरान ने खाड़ी क्षेत्र से ऊर्जा निर्यात रोकने की धमकी दी है।

बुधवार को ईरान सरकार की प्रवक्ता फातमेह मोहाजेरानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई और भरोसा दिलाया कि सरकार पूरी ताकत के साथ नागरिकों के साथ खड़ी रहेगी।

बैरक को अमेरिकी सेना ने बनाया निशाना 7 ईरानी

सैनिकों की मौत

ईरानी अधिकारियों के अनुसार, अमेरिकी हमलों में ईरान की सेना की एक बैरक को निशाना बनाया गया, जिसमें कम से कम सात सैनिक मारे गए और देश भर में 260 से ज्यादा लोग घायल हो गए। अमेरिका ने ये हालिया हमले ईरान ने Strait of Hormuz से गुजरने की कोशिश कर रहे जहाजों को निशाना बनाए जाने के बाद किए हैं।

अमेरिका नौसैना ने फिर शुरू की घेराबंदी

वहीं अमेरिका ने दूसरी ओर होर्मुज में अपनी नौसैनिक घेराबंदी करना फिर से शुरू कर दिया है। याद रहे चंद सप्ताह पहले ही अमेरिका और ईरान के बीच शांति बहाल करने के लिए अंतरिम समझौता हुआ था जिसके तहत अमेरिका ने नौसैनिक घेराबंदी हटा दी थी। इसके अलावा ईरान के परमाणु कार्यक्रम समेत अन्य मुद्दों पर बातचीत कर समाधान ढूढ़ने के लिए दोनों देशो के बीच 60 दिनों का टकराव रोक दिया गया था।

ईरान ने खाड़ी से एनर्जी एक्सपोर्ट रोकने की धमकी दी

अमेरिका और ईरान के बीच बद से बत्तर होते हालात के बीच ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने अमेरिका को बुधवार को चेतावनी दी कि अगर नाकेबंदी जारी रही, तो वह मिडिल ईस्ट से होने वाले सभी एनर्जी एक्सपोर्ट को रोक सकता है। IRGC ने कहा, "इस इलाके से तेल और गैस का एक्सपोर्ट या तो सभी के लिए होगा या फिर किसी के लिए नहीं।"

भारतीय किसान यूनियन (भानु) की किसान पंचायत में गूंजीं किसानों की समस्याएं,9 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा

पंचायत में रेलवे समेत राजस्व, घरौनी और जलभराव के मुद्दे उठे, 18 जुलाई तक समाधान न होने पर मुख्यमंत्री दरबार जाने की चेतावनी

(एजेंसी)।

पीलीभीत। भारतीय किसान यूनियन (भानु) की तहसील स्तरीय मासिक किसान पंचायत बुधवार को तहसील सदर प्रांगण में तहसील अध्यक्ष नंदकिशोर राठौर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। पंचायत में किसानों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उनके समाधान की मांग को लेकर 9 सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी के नाम संबोधित करते हुए उप जिलाधिकारी सदर को सौंपा गया। साथ ही रेलवे से जुड़ी स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए सांसद को पत्र भेजने का भी सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

पंचायत को संबोधित करते हुए भाकियू (भानु) के जिला अध्यक्ष भजनलाल किरोधी ने कहा कि सदर तहसील क्षेत्र की अधिकांश ग्राम पंचायतों में किसानों की फर्द और खतौनी में गलत अंश दर्ज हैं, जिससे किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से अभियान चलाकर सभी त्रुटियों को तत्काल ठीक कराने की मांग की।

जिला उपाध्यक्ष बाबूराम वर्मा ने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में हर माह निश्चित तिथि पर लेखपाल और राजस्व निरीक्षक की मौजूदगी में जनसुनवाई आयोजित की जाए, ताकि किसानों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार तहसील के चक्कर न लगाने पड़ें।

जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश राजपूत ने कहा कि घरौनी प्रत्येक किसान का अधिकार है, लेकिन तहसील प्रशासन इस योजना के प्रति गंभीर नहीं है। उन्होंने सभी पात्र किसानों को शीघ्र घरौनी उपलब्ध कराने की मांग उठाई।

तहसील अध्यक्ष नंदकिशोर राठौर ने कहा कि तहसील क्षेत्र के कई गांव जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं। बरसात के मौसम में लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है, इसलिए प्रशासन को स्थायी समाधान कराना चाहिए।

ब्लॉक अध्यक्ष सुखलाल गंगवार ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 18 जुलाई 2026 तक किसानों की लंबित समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो 19 जुलाई को भारतीय किसान यूनियन (भानु) के पदाधिकारी और किसान मुख्यमंत्री दरबार, गोरखपुर जाकर अपनी समस्याओं को उठाएंगे।

वहीं ब्लॉक अध्यक्ष रामचंद्र राजपूत ने आरोप लगाया कि तहसील प्रशासन किसानों की शिकायतों का फर्जी निस्तारण कर रहा है। उन्होंने ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

पंचायत के अंत में जिलाधिकारी के नाम 9 सूत्रीय मांगपत्र उप जिलाधिकारी को सौंपा गया। साथ ही रेलवे से संबंधित स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए सांसद को पत्र भेजने का निर्णय लिया गया।

पंचायत में रामबहादुर पाल, बेणीराम मौर्य, वीरेंद्र गिरी, ओमप्रकाश मौर्य, रामप्रसाद राजपूत, सोहनलाल, सतीश कुमार, रामकुमार, निर्मल स्वरूप, रामकुमार श्रीवास्तव, सुखलाल श्रीवास्तव, नरेंद्र कुमार राठौर, पवन सिंह, मंसाराम, कलावती, हीरावती, रामकुमारी सहित सैकड़ों किसान एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री ने भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते और सामाजिक सुरक्षा समझौते पर एक लेख साझा किया

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) और सामाजिक सुरक्षा समझौते पर केंद्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल के एक लेख को साझा किया और इसे भारत-ब्रिटेन साझेदारी में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। श्री मोदी ने कहा कि ये दोनों समझौते भारत और ब्रिटेन के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करेंगे तथा दोनों देशों की साझा महत्वाकांक्षाओं को उनके लोगों के लिए ठोस अवसरों में बदलेंगे।

श्री मोदी ने कहा कि यह व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता कई क्षेत्रों में ब्रिटेन के बाजार तक पहुंच बढ़ाकर भारत के किसानों, उद्यमियों और लघु एवं मध्यम उद्यमों को नई गति प्रदान करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि सामाजिक सुरक्षा समझौता ब्रिटेन में अस्थायी रूप से काम कर रहे भारतीय पेशेवरों को सहायता प्रदान करेगा और भारतीय उद्यमों की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगा।

श्री मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया: भारत-ब्रिटेन साझेदारी में यह एक महत्वपूर्ण क्षण है! व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते तथा सामाजिक सुरक्षा समझौते के लागू होने से हमारे आर्थिक संबंध और भी सुदृढ़ होने वाले हैं। ये समझौते हमारी साझा महत्वाकांक्षा को हमारे लोगों के लिए ठोस अवसरों में तब्दील करेंगे।